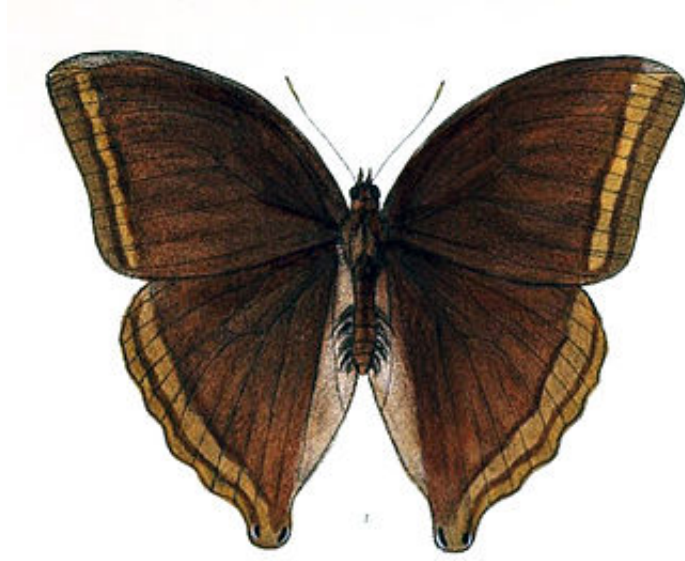


पामकगि

हाल ही में तमलिनाडु में पहली बार **दुर्लभ ततिली पामकगि (Amathusia phidippus)** देखी गई।

- यह भारत में 1,500 प्रजातियों में से **तमलिनाडु में पाई जाने वाली ततिली की 321वीं प्रजात** है।



//

पामकगि (Palmking):

■ परिचय:

- पामकगि की उपस्थितिको पहली बार दक्षिण भारत में वर्ष 1891 में **ब्रिटिश वैज्ञानिक एच.एस.फर्ग्यूसन** द्वारा दर्ज किया गया था। एक सदी से भी अधिक समय बाद इसे वर्ष 2007 में फिर से देखा गया था।
- पामकगि **नमिफैलिडे (Nymphalidae)** की प्रजाति से संबंधित है तथा ताड़, नारयिल और कैलमस कस्मों के पौधों से भोजन प्राप्त करती है।
- भूरे रंग और गहरे रंग की पट्टियाँ इस ततिली की विशेषता है तथा इसे एकांतप्रिय के रूप में वर्णित किया गया है, जो ज़्यादातर छाया में आराम करती है।
- पामकगि को पहचानना आसान नहीं है क्योंकि लकड़ी की तरह इसका भूरा रंग आसान छलावरण (Camouflage) बनाता है तथा यह शायद ही कभी अपने पंख फैलाती है।

■ वितरण:

- यह ततिली व्यापक रूप से **भारत, म्यांमार, चीन, प्रायद्वीपीय मलेशिया और थाईलैंड** के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
- यह **इंडोनेशियाई द्वीप समूह और फिलीपींस** में भी पाई जाती है।
- भारत में **पश्चिमी घाट** के दक्षिण में अरपिपा, शेंदुरनी, **पेरियार टाइगर रजिर्व** के जंगलों में पामकगि की मौजूदगी दर्ज की गई है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: हाल ही में भारतीय वैज्ञानिकों ने केले के पौधे की एक नई और वशिष्ट प्रजातकी खोज की है जो लगभग 11 मीटर ऊँची है और इसमें नारंगी रंग के फलों का गूदा होता है। भारत के किस भाग में इसकी खोज की गई है? (2016)

- (a) अंडमान द्वीप समूह
- (b) अन्नामलाई वन
- (c) मैकाले हलिस
- (d) पूर्वोत्तर के उष्णकटबिधीय वर्षा वन

उत्तर: (a)

- भारत के वनस्पतिसंरक्षण (BSI) के वैज्ञानिकों की एक टीम ने केले की एक नई प्रजाति, मूसा इंदामनेंसिस की खोज की है जो लटिलि अंडमान द्वीप समूह पर एक दूरस्थ कृष्णा नाला उष्णकटबिधीय वर्षा वन में पाई गई है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/palmking>

